MASA-01

December - Examination 2016

M.A. (Previous) Sanskrit Examination

वैदिक साहित्य एवं तुलनात्मक भाषाविज्ञान

Paper - MASA-01

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 80**

Note: The question paper is divided into three sections A, B and C. Write answers as per the given instructions.

निर्देश : यह प्रश्न पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Section - A $8 \times 2 = 16$

(Very Short Answer Type Questions)

Note: Answer **all** questions. As per the nature of the question delimit your answer in one word, one sentence or maximum up to 30 words. Each question carries 2 marks.

खण्ड – 'अ'

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) (i) पृथिवीस्थानीय देवताओं के नाम लिखिए।

(ii) इन्द्र सूक्त के ऋषि का नाम लिखिए।

(iii) वाक् सूक्त में प्रयुक्त छन्द का क्या नाम है?

(iv) ''कस्मै देवाय हविषा विधेम'' उक्त मन्त्र किस सूक्त का है?

(v) निरुक्त के अनुसार ''आचार्य'' शब्द की व्युत्पत्ति लिखिए।

(vi) पुरुष सूक्त के अनुसार विराट् पुरुष के मन से किसकी उत्पत्ति हुई ?

(vii) वेदों के चतुर्धा विभाजन कर्ता कौन थे ?

(viii) यजुर्वेद की संहिताओं के नाम लिखिए।

Section - B $4 \times 8 = 32$

(Short Answer Questions)

Note: Answer **any four** questions. Each answer should not exceed 200 words. Each question carries 8 marks.

(खण्ड – ब)

(लघूत्तरात्मक प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का है।

2) निम्नलिखित मन्त्रों में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या हिंदी भाषा में लिखिए :–

अ) यो जात एव प्रथमो मनस्वान्
देवो देवान् क्रतुना पर्यभूषत्
यस्य शुष्माद् रोदसी अभ्यसेतां
नृम्णस्य मह्ना स जनास इन्द्रः

ब) ब्राह्मणोऽस्य मुखमासीत्, बाहू राजन्यः कृतः।
उरु तदस्य यद्वैश्च पद्भ्यां शुद्रोऽजायत।।

3) निम्न में से किसी एक मन्त्र की सप्रसंग व्याख्या संस्कृतभाषा में कीजिए–
अ) सत्यं बृहदृतमुग्रं दीक्षा तपो ब्रह्म यज्ञः पृथिवीं धारयन्ती।
सा नो भूतस्य भव्यस्य पत्न्युरुं लोकं पृथिवीं नः कृणोतु।।
ब) अहं रुद्राय धनुरा तनोमि ब्रह्मद्विषे शरवे हन्तवा उ
अहं जनाय समदं कृणोम्यहं धावापृथिवी आ विवेश

4) प्रश्न सं. 2 या 3 में आये किसी एक मन्त्र का पद–पाठ लिखिए।

5) निम्न में से किसी एक पर टिप्पणी लिखिए–
1. विष्णु सूक्त
2. नासदीय सूक्त

6) निम्न में से किन्हीं दो शब्दों को निरुक्त के आधार पर निर्वचन कीजिए।
1. पर्वत
2. गौः
3. आदित्यः
4. नदी

7) पुरुष सूक्त के अनुसार सृष्टि प्रक्रिया समझाइये।

8) ज्योतिष वेदांग को परिभाषित कर स्पष्ट कीजिए।

9) ''शब्द धातुज है या अधातुज'' उक्त वाक्य को निरुक्त के आधार पर संक्षेप में समझाइये।

Section - C $2 \times 16 = 32$

(Long Answer Questions)

Note: Answer **any two** questions. You have to delimit your each answer maximum up to 500 words. Each question carries 16 marks.

(खण्ड – स)

(दीर्घ उत्तर वाले प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 500 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

10) भाषा विज्ञान किसे कहते हैं? भाषा विज्ञान के विभिन्न अंगों का वर्णन कीजिए।

11) निरुक्त ग्रन्थ के उद्देश्य एवं निवर्चन पद्धति पर एक लेख लिखिए।

12) अग्नि सूक्त का विशद वर्णन कीजिए।

13) ध्वनि किसे कहते हैं? ध्वनि परिवर्तन के विविध कारणों का वर्णन कीजिए।